H&R A
WESTERN INDIA
Estd : 1951

पर्यटन विकास के लिए औरंगाबाद से एयर कनेक्विटी को बढ़ाना जरूरी

एचआरएडब्ल्यूआई की संसदीय समिति से मांग

भास्कर न्यूज | मुंबई

होटल उद्योग के प्रमुख संगठन होटल एंड रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया (एचआरएडब्ल्यूआई) ने हाल ही मुंबई अपने दौरे पर आई राजीव प्रताप रुडी की अध्यक्षता वाली संसद की स्थाई समिति (पर्यटन, परिवहन व संस्कृति) के सामने कई प्रस्ताव पेश किए। इसमें औरंगाबाद और सिंधुदुर्ग में पर्यटन सर्किट विकसित करने पर विशेष ध्यान देने के साथ राज्य में पर्यटन क्षमता को पूर्ण रूप से बढ़ावा देने की सिफारिशें शामिल हैं। एचआरएडब्ल्यूआई के अध्यक्ष प्रदीप शेट्टी ने कहा कि हमने सरकार से औरंगाबाद और सिंधुदुर्ग में पर्यटन सर्किट विकसित करने पर विशेष ध्यान देने का अनुरोध किया है। औरंगाबाद अजंता और एलोरा में बौद्ध गुफा स्मारकों के लिए लोकप्रिय है और यह बौद्धों के लिए एक महत्वपूर्ण शिक्षण और सांस्कृतिक केंद्र है। इसकी पूर्ण पर्यटन क्षमता को उजागर करने के लिए इसे बौद्ध सर्किट के अंदर वाराणसी या बोध गया तक बेहतर कनेक्टिविटी की आवश्यकता है।

आवश्यकता से कम हुईं उड़ानें, विस्तार की जरूरत

पांच साल पहले औरंगाबाद से हमारे पास 7 से 8 गंतव्यों को जोड़ने वाली उड़ानें थीं, लेकिन अब हम केवल दो प्रमुख महानगरों तक ही सीमित हैं। उसमें भी आवश्यकता से कम उड़ानें हैं। जयपुर से औरंगाबाद तक स्वर्ण त्रिभुज मार्ग के विस्तार को बहाल करने सहित कनेक्टिविटी को और अधिक गंतव्यों तक विस्तारित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग औरंगाबाद की यात्रा करना चाहते हैं, लेकिन पर्याप्त कनेक्टिविटी की कमी के कारण इसमें बाधा आती है। कनेक्टिविटी की कमी के कारण होटल उद्योग का राजस्व प्रभावित हो रहा है।

गेटवे ऑफ इंडिया जैसे महत्वपूर्ण स्थानों को हेरिटेज सर्किट में शामिल करने का प्रस्ताव

श्री शेट्टी का कहना है कि, 'राज्य में कुछ ऐसे स्थल हैं, जो ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व रखते हैं। स्थानीय समुदायों को पारंपरिक कला, शिल्प और संगीत के संरक्षण और प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करने से पर्यटकों को एक प्रामाणिक आध्यात्मिक अनुभव मिलेगा। एचआरएडब्ल्यूआई ने अजंता और एलोरा की गुफाएं, रायगड किला और गेटवे ऑफ इंडिया जैसे महत्वपूर्ण स्थानों को हेरिटेज सर्किट में शामिल करने का प्रस्ताव दिया है। वन्यजीव पर्यटन सर्किट बनाने के लिए पेंच टाइगर रिजर्व और ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व सहित कई राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों को जोड़ने, अलीबाग, हरिहरेश्वर और तारकर्ली जैसे स्थलों को कवर करते हुए एक तटीय सर्किट बनाने से समुद्र तट पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।